पाठ - 2 ल्हासा की ओर

लेखक परिचय

राहुल सांकृत्यायन

जन्म :- सन् 1893,

जन्म स्थान :- ननिहाल गाँव पंदहा, जिला- आजमगढ़ ।

पैतृक गाँव :- कनैला,

रचनाएँ:- लद्दाख यात्रा, लंका यात्रा, तिब्बत मे सवा वर्ष आदि ।

मृत्यु :- 1963,

मूल नाम :- केदार पांडेय

- राहुल जी पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, तिब्बती, चीनी, जापानी रूसी सहित अनेक भाषाओं के जानकार थे।
- उन्होंने उपन्यास, कहानी,आत्मकथा, यात्रावृत्त, जीवनी, आलोचना, शोध आदि अनेक विधाओं में साहित्य-सृजन किया तथा अनेक ग्रंथों का हिंदी में अनुवाद भी किया। उनके द्वारा रचित पुस्तकों की संख्या लगभग 150 है।

पाठ परिचय

'ल्हासा की ओर' पाठ (यात्रा-वृत्तांत) राहुल सांकृत्यायन जी की प्रथम तिब्बत यात्रा से लिया गया है। लेखक सन् 1929-30 ई. में नेपाल के रास्ते तिब्बत की यात्रा पर गए थे। उस समय भारतीयों को तिब्बत यात्रा की अनुमति नहीं थी, इसलिए उन्होंने यह यात्रा एक भिखमंगे के वेश में की थी। इसमें तिब्बत की राजधानी 'ल्हासा' की ओर जाने वाले दुर्गम रास्तों का वर्णन किया गया है। इस यात्रा-वृतान्त से हमें तत्कालीन तिब्बती समाज के बारे में भी जानकारी मिलती है।

पाठ्य-पुस्तक के प्रश्नोत्तर

1. थोड्ला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला जबकि दूसरी बार यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका। क्यों?

उत्तर- थोड्ला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर मिखभंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने का उचित स्थान मिला क्योंकि उस समय लेखक के साथ सुमति भी थे। वहाँ के आम लोग सुमति को जानते थे, यहाँ उनके अनेक यजमान थे इस कारण उन्हें ठहरने का उचित स्थान मिल गया। लेकिन पाँच साल बाद दूसरी यात्रा के दौरान लेखक को भद्र वेश में होने के बावजूद रहने का उचित स्थान नहीं मिला, क्योंकि समय के साथ लोगों के व्यवहार में भी काफी बदलाव आया। इस क्षेत्र में लोग प्राय: शाम के वक्त छड् पीकर नशे में अपने होश - हवास खो बैठते थे जिसके कारण उन्हें मेहमानों का भी खयाल नहीं रहता था। लेखक इस समय वहाँ के लोगों के लिए बिलकुल अपरिचित थे।

2. उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?

उत्तर- उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को हर समय अपनी जान का खतरा बना का रहता था। यहाँ रहने वाले डाकू निर्जन- क्षेत्र में लोगों की हत्या करके फेंक देते थे।डकैत पहले आदमी को मार डालते, उसके बाद देखते कि कुछ पैसा है कि नहीं। सरकार, खुफिया-विभाग और पुलिस ऐसे लोगों के विरुद्ध पैसा खर्च नहीं करती थी। लोग बंदूक, पिस्तौल जैसे हथियारों को लाठी- डंडे की तरह लेकर चलते थे। डाकू यदि जान से न मारे तो खुद उसे अपने प्राणों का खतरा है।

3. लेखक लड्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस प्रकार पिछड़ गया?

उत्तर- लड्कोर का मार्ग चढ़ाई वाला था। लेखक का घोड़ा बहुत सुस्त था एवं थकावट के कारण धीरे - धीरे चल रहा था। आगे बढ़ने पर एक जगह दो रास्ते निकले हुए थे लेखक बाएँ रास्ते पर लगभग एक डेढ़ मील आगे चल गए आगे एक घर में पूछने पर पता चला कि लड्कोर का रास्ता दाहिने वाला था फिर लौटकर उन्होंने सही रास्ते को पकड़ा। इन्हीं कारणों से लेखक लड्कोर के मार्ग में अपने साथियों से पिछड़ गया।

4. लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

उत्तर- सुमति अपने यजमानों के पास जाने के लिए जिस गाँव से गुजरते थे वहाँ बोधगया के लाये कपड़े के बत्तियों के गंडे बाँटते थे। आस-पास के गाँव में भी गंडे बाँटते थे, जिससे उन्हें वापस आने में बहुत समय लग जाता था। इस कारण लेखक ने पहले सुमति को जाने से रोक दिया, लेकिन लेखक को शेकर बिहार के मंदिर में कन्जुर (बुद्धवचन-अनुवाद) की 103 पोथियाँ रखी हुई मिली जिनका वे अध्ययन करना चाहते थे , उसके लिए उन्हें भी वहाँ समय लगता इसलिए दूसरी बार लेखक ने सुमति को अपने यजमानों के पास जाने से नहीं रोका।

5. अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर- अपनी यात्रा के दौरान लेखक को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जिनमें से कुछ निम्न हैं-

- उस समय भारतीयों को तिब्बत यात्रा की अनुमति नहीं थी। इसलिए उन्हें यह यात्रा भिखमंगे के रूप में करनी पड़ी।

- उन्हें डाँड़ा थोड़ला जैसी दुर्गम मार्ग की कठिन चढ़ाई चढ़नी पड़ी।
- डाकुओं - लुटेरों से बचने के लिए भिखमंगों के समान टोपी उतार कर और जीभ निकालकर उनसे दया की भीख माँगते हुए पैसा माँगा ।
- लेखक घोड़ा सुस्त होने के कारण एवं रास्ता भटक जाने के कारण अपने साथियों से पिछड़ गया। जिस कारण उसे सुमति के क्रोध का शिकार भी बनना पड़ा।
- भारवाहक न मिलने पर उन्हें अपना सामान अपने कंधे पर लाद कर ही यात्रा करनी पड़ी।

6. प्रस्तुत यात्रा वृतांत के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था?

उत्तर- उस समय तिब्बती समाज में जाति-पाँति, छुआछूत का भेदभाव नहीं था। स्त्रियाँ परदा नहीं करती थी| अपरिचितों को भी घर के भीतर आने की मनाही नहीं थी परन्तु बहुत निम्नश्रेणी के भिखमंगों को लोग चोरी के डर से घर के भीतर आने नहीं देते थे। समाज में कानून व्यवस्था अत्यंत दयनीय स्थिति में थी। लोग बंदूक, पिस्तौल आदि ले कर खुलेआम घूमते थे। मार्ग में चोर-लुटेरों का डर रहता था। डकैत यात्रियों को मार कर लूटते थे।

7. 'मैं अब पुस्तकों के भीतर था।' नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन सा इस वाक्य का अर्थ बतलाता है-

(क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

(ख) लेखक पुस्तकों की शैल्फ़ के भीतर चला गया।

(ग) लेखक के चारों ओर पुस्तकें ही थीं।

(घ) पुस्तक में लेखक का परिचय और चित्र छपा था।

उत्तर- (क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. तिब्बत में निर्जन स्थान में खून होने पर खूनी को सजा क्यों नहीं मिल पाती ?

उत्तर- क्योंकि खून करने वाले के खिलाफ कोई गवाह नहीं होता है।

2. तिब्बत में डकैत किस प्रकार लूटते हैं?

उत्तर- वे पहले आदमी को मार डालते हैं फिर उसका सामान लूटते हैं।

3. भारत की महिलाओं की तुलना में तिब्बत की महिलाओं की सामाजिक स्थिति कैसी थी ? ल्हासा की ओर पाठ के आधार पर बताइए ।

उत्तर- तिब्बत की औरतें पर्दा नहीं करती थीं। वे अतिथि का स्वागत-सत्कार भी करती थीं। तिब्बती औरतें जाति-पाँति, छुआछूत में विश्वास नहीं करती थीं। जबकि भारत में औरतें पर्दा में रहती थीं एवं जाति-पाति तथा छुआछूत को मानती थी। यही अन्तर भारत और तिब्बत की औरतों में थे।

4. सुमति गंडे कैसे बनाता था ?

उत्तर- सुमति बोधगया से लाए गए कपड़ों से गंडे बनाता था, परन्तु उसके यजमान काफी होने के कारण जब वे कपड़े समाप्त हो जाते तो वह किसी भी कपड़े की पतली-पतली चिरी बत्तियों से गंडे बना लेता था ।

5. "मैं अब पुस्तकों के भीतर था" लेखक ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर- लेखक को पुस्तकें पढ़ने का बहुत शौक था, अब वहाँ उन्हें 'कन्जुर' (बुद्धवचन-अनुवाद) की 103 पोथियाँ मिल गई, जिन्हें वे पढ़ने लग गए। इसी कारण उन्होंने कहा कि- "मैं अब पुस्तकों के भीतर था।"

6. लेखक लड़्कोर में कहाँ ठहरे और क्या खाया?

उत्तर- लेखक लड़्कोर में एक अच्छी जगह ठहरे। पहले चाय सत्तू खाया और रात को थुक्पा मिला।

7. भीटे की तरह दिखने वाले पहाड़ कैसे थे ?

उत्तर- भीटे की तरह दिखने वाले पहाड़ बिलकुल नंगे थे। न उन पर बर्फ की सफेदी थी और न हरियाली ।

8. शेकर की खेती के मुखिया भिक्षु किस स्वभाव के पुरुष थे?

उत्तर- शेकर की खेती के मुखिया भिक्षु बड़े भद्र पुरुष थे । भिखमंगे के वेश में रहते हुए भी वे उनसे बड़े प्रेम से मिले।

9. लेखक ने कितनी बार तिब्बत यात्रा की और कैसा अनुभव प्राप्त किया ?

उत्तर- लेखक ने दो बार तिब्बत की यात्रा की और वहाँ के समाज,भौगोलिक स्थितियों एवं परंपराओं को जाना।

10. लेखक को डाकुओं का डर क्यों नहीं था?

उत्तर- लेखक भिखमंगे के वेश में थे और डाकू भिखमंगे पर हमला नहीं करते इसलिए लेखक को डाकुओं का डर नहीं था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. 'ल्हासा की ओर' पाठ हिन्दी गद्य की कौन सी विधा है?

a. कहानी b. संस्मरण
c. यात्रावृतान्त d. निबंध

2. 'ल्हासा की ओर' पाठ के लेखक कौन हैं?

a. प्रेमचंद b. राहुल सांकृत्यायन
c. महादेवी वर्मा d. हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. राहुल सांकृत्यायन का जन्म कहाँ हुआ?

a. आजमगढ़ के पंदहा गाँव में
b. ल्हासा में
c. वाराणसी के लमही गाँव में
d. इनमें से कोई नहीं

4. राहुल सांकृत्यायन जी ने कौन सा शास्त्र लिखा?

a. नागरिक शास्त्र b. समाजशास्त्र

c. मानव शास्त्र d. घुमक्कड़ शास्त्र

5. राहुल सांकृत्यायन जी ने कौन सा धर्म अपनाया?
a. हिंदू b. बौद्ध
c. सिक्ख d. इसाई

6. राहुल सांकृत्यायन जी की मृत्यु कब हुई?
a. 1945में b. 1968में
c. 1963में d. 1980में

7. कुची - कुची का क्या अर्थ है?
a. बचाओ - बचाओ b. भागो - भागो
c. दया - दया d. मारो - मारो

8. लेखक एवं उसके मित्र किस वेश में यात्रा कर रहे थे?
a. आम आदमी के वेश में
b. भिखमंगे के वेश में
c. सैनिक के वेश में
d. इनमें से कोई नहीं

9. तिब्बत के लोग टोंटीदार बर्तन को क्या कहते हैं?
a. खोटी b. लोटी
c. सोटी d. केतली

10. निर्जन शब्द में उपसर्ग बताइए।
a. नीर b. नित्
c. निस् d. नि:/निर्

11. मंदिर में कितनी पोथियाँ रखी थीं?
a. 100 b. 101
c. 102 d. 103

12. भरिया किसे कहते हैं ?
a. भारवाहक को
b. मजदूरी करने वाले को
c. पुरोहित को
d. पानी भरने वाले कहार को

13. तिब्बत की औरतें चाय किसमें कूटती हैं?
a. चोटी b. चोडी
c. ओखली d. चोमी

14. तिब्बत में सबसे खतरे की जगहें कौन - सी हैं?
a. थाने b. तिडरी
c. डाँड़े d. लड्कोर

15. भीटे किस आकार का स्थान होता है?
a. चौराहा
b. त्रिकोणात्मक
c. समतल
d. टीले के आकार का ऊँचा स्थान

16. लेखक और सुमति चोर- डकैतों से बचने का कौन-सा रास्ता अपनाते थे?
a. हथियार रखने का b. भीख मांगने का
c. भाग जाने का d. इनमें से कोई नहीं

17. लेखक किसकी तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था?
a. दोवीनिवस्तो b. दोविनिक्स्तो
c. दोन्क्विक्स्तो d. इनमें से कोई नहीं

18. छद्म वेश का क्या अभिप्राय है?
a. सच्चा वेश b. सुंदर वेश
c. जोकर का वेश d. बनावटी वेश

19. मंगोलों का मुँह कैसा होता है?
a. लाल b. सफेद
c. काला d. साँवला

20. थुक्पा क्या है?
a. एक स्थान b. वस्त्र का नाम
c. एक खाद्य पदार्थ d.इनमें से कोई नहीं

21. लेखक ने सुमति को आदमी मिलने का बहाना बनाकर किस विहार की ओर चलने के लिए कहा?
a. तिडरी b. लड्कोर
c. शेकर d. इनमें से कोई नहीं

22. शेकर विहार में रखे हुए हस्तलिखित पोथियों में प्रत्येक का वजन कितने सेर का था?
a. 14-14 b. 12-12
c. 15-15 d. 16-16

23. तिब्बत की महिलाएँ किस बर्तन में चाय देती हैं?
a. टोटी b. खोटी
c. गिलास d. कटोरी

24. तिब्बत में बनने वाली चाय की विशेषता बताइए।
a. वह नमक और दूध से बनाई जाती है।
b. वह चीनी और दूध से बनाई जाती है।
c. वह नमक और चीनी से बनाई जाती है।
d. वह नमक- मक्खन से बनाई जाती है।

25. लेखक किस भिक्षु से विदाई लेकर चल पड़ा?
a. नम्से b. सुमति
c. नेम्मस d. इनमें से कोई नहीं

26. ' लेकिन मेरा कसूर नहीं है मित्र ' यह कथन किसका है?
a. सुमति का b. भिक्षु नम्से का
c. मंगोलों का d. लेखक का

27. क्या पीकर बहुत कम लोग शाम को होश- हवास दुरूस्त रखते हैं?
a. थुक्पा b. चाय
c. छङ् d. दूध

28. लेखक कहाँ जाते हुए रास्ता भटक गया था?
a. लड्कोर b. तिब्बत
c. भारत d. नेपाल

29. तिब्बत की जमीनों पर किनका आधिपत्य था?
a. मंगोलों का b. सरकार का
c. जागीरदारों का d. डकैतों का

30. ल्हासा की ओर पाठ में वर्णित यात्रा लेखक की कौन-सी यात्रा थी ?
a. दूसरी b. पहली
c. तीसरी d. पाँचवीं

31. 'ल्हासा की ओर' पाठ में तिड्री विशाल मैदान किससे घिरा हुआ था ?
a. नदी से b. जंगलों से
c. गाँवों से d. पहाड़ों से

32. तिड्री के मैदान की क्या विशेषता थी?
a. वह पहाड़ों से घिरा एक टापू था
b. नदियों से घिरा एक टापू था
c. वह बिल्कुल समतल था
d. इनमें से कोई नहीं

33. लेखक ने डाँड़े की चढ़ाई के लिए किसकी सहायता ली?
a. गाड़ी b. बस
c. घोड़े d. इनमें से कोई नहीं

34. उस समय किसी भी भारतीयों को कहाँ जाने की मनाही थी?
a. चीन b. तिब्बत
c. नेपाल d. श्रीलंका

35. वह रास्ता प्रमुख रूप से किन लोगों के प्रयोग में आता था?
a. आम लोगों के
b. व्यापारियों के
c. सैनिकों और व्यापारियों के
d. इनमें से कोई नहीं

36. सुमति कौन था?
a. ल्हासा की यात्रा में लेखक का साथी
b. मंगोल भिक्षु
c. एक पुरोहित
d. उपर्युक्त सभी

37. डाँड़े तिब्बत में सबसे खतरे की जगह क्यों हैं?
a. यहां मीलों तक कोई गांव नहीं है
b. यह 16 -17 हजार फीट की ऊंचाई पर है
c. डाकुओं के लिए यह सुरक्षित जगह है
d. उपर्युक्त सभी कथन सत्य है।

38. लेखक का घोड़ा कैसे चलने लगा?
a. जल्दी-जल्दी b. भागकर
c. धीरे-धीरे d. लड़खड़ा कर

39. नेपाल तिब्बत के अलावा भी ल्हासा जाने का दूसरा मार्ग कौन सा था?
a. चीन- तिब्बत मार्ग b. फरि कलिङ्पोङ्
c. भूटान- तिब्बत मार्ग d. इनमें से कोई नहीं

40. शेकर विहार की खेती के मुखिया कौन थे?
a. सुमति b. मंगोल
c. नम्से d. इनमें से कोई नहीं

41. लेखक किस मार्ग में अपने साथियों से बिछुड़ गया?
a. नेपाल b. तिब्बत
c. थोङ्ला d. लङ्कोर

42. किन स्थानों पर मरने वालों की कोई परवाह नहीं करता?
a. पहाड़ों के किनारे b. गाँव में
c. निर्जन स्थानों में d. इनमें से कोई नहीं

43. तिब्बत के जागीरों का बड़ा हिस्सा किनके हाथ में है?
a. किसानों के b. राजाओं के
c. मठों के d. भिक्षुओं के

44. किसको जितना जल्दी गुस्सा आता था उतना ही जल्दी ठंडा हो जाता था?
a. राहुल सांकृत्यायन b. जयशंकर प्रसाद
c. सुमति d. इनमें से कोई नहीं

45. कंडे का पर्यायवाची शब्द क्या है?
a. तिब्बती सीमा का एक स्थान
b. ऊँची जमीन
c. उपले
d. इनमें से कोई नहीं

46. पाठ में तिब्बत की राजधानी का क्या नाम है?
a. तिब्बत b. नेपाल
c. ल्हासा d. इनमें से कोई नहीं

47. तिब्बत में किसके बारे में कोई कानून नहीं है?
a. व्यापार के बारे में b. विवाह के बारे में
c. हथियार के बारे में d. इनमें से कोई नही

48. तिब्बत की धूप कैसी होती है?
a. ठंडी b. चमकीली
c. हल्की d. कड़ी

49. दूसरी बार यात्रा के दौरान लेखक कहाँ ठहरे थे?
a. गरीब झोपड़े में b. निर्जन इलाके में
c. होटल में d. इनमें से कोई नहीं

50. नेपाल- तिब्बत मार्ग पर किस फौज का कब्जा है?
a. भारतीय b. चीनी
c. अमेरिकी d. जापानी

51. तिब्बत में चाय तैयार हो जाने पर क्या डालने की जरूरत होती है?
a. चीनी b. दूध
c. नमक - मक्खन d. पानी

52. दुर्ग के एक भाग में किसने अपना बसेरा बना लिया है?
a. भिक्षुकों ने b. मजदूरों ने
c. यात्रियों ने d. किसानों ने

53. इस पाठ में वर्णित यात्रा लेखक ने कब की थी?
a. 1922-23 b. 1925-26
c. 1929-30 d. 1930-31

54. राहुल जी द्वारा रचित पुस्तकों की संख्या कितनी है?
a. लगभग100 b. लगभग120
c. लगभग200 d. लगभग 150

55. तिड्री के विशाल मैदान में दूर एक छोटी सी पहाड़ी मैदान के भीतर दिखाई देती थी, उस पहाड़ी का क्या नाम है?
a. तिड्री समाधि गिरि b. थोंड्ला
c. डाँड़ा d. इनमें से कोई नहीं

56. उस समय तिब्बत में लोग लाठी की तरह क्या लेकर घूमते थे?
a. पिस्तौल b. बंदूक
c. पिस्तौल बंदूक दोनों d. इनमें से कोई नहीं

57. सुमति ने कितनी टोकरी कंडे फूँक डाले?
a. एक b. दो
c. तीन d. चार

58. सुमति ने कितनी बार चाय को गर्म किया था?
a. एक b. दो
c. तीन d. चार

59. किस स्थान पर वह एक अच्छी जगह ठहरे थे?
a. ल्हासा b. डाँड़ा
c. थोंड्ला d. लड्कोर

60. कन्जुर का क्या अर्थ है?
a. बुद्धवचन अनुवाद b. गुरुनानक वचन
c. कबीर वचन d. इनमें से कोई नहीं

61. थोंड्ला से आप क्या समझते हैं?
a. ऊँची जमीन
b. टीले के आकार का ऊँचा स्थान
c. तिब्बती सीमा का स्थान
d. इनमें से कोई नहीं

62. सत्तू किसे कहते हैं?
a. भूने हुए अन्न का आटा
b. चावल का आटा
c. तिब्बती सीमा का एक स्थान
d. इनमें से कोई नहीं

63. गंडा का क्या अर्थ है?
a. मंत्र पढ़कर गांठ लगाया हुआ धागा
b. मंत्र पढ़कर घाट लगाया हुआ कपड़ा
c. a और b दोनों
d. इनमें से कोई नहीं

64. लेखक ने तिब्बत की यात्रा भीखमंगे के वेश में क्यों की?
a. चोरी ना हो
b. पैसा कम लगे
c. उस समय भारतीयों को तिब्बत यात्रा की अनुमति नहीं थी
d. इनमें से कोई नहीं

65. डाँड़े की ऊँचाई कितनी है?
a. 15हजार फीट b. 20हजार फीट
c. 16- 17 हजार फीट d. इनमें से कोई नहीं

66. परित्यक्त का क्या अर्थ है?
a. जिसे छोड़ दिया गया हो
b. साथ रहने वाला
c. अपना समझने वाला
d. इनमें से कोई नहीं

67. विकट शब्द का क्या अर्थ है?
a. आसान b. सरल
c. भयानक d. इनमें से कोई नहीं

68. इनमें कौन श्वेत का पर्यायवाची नहीं है?
a. सफेद b. उजाला
c. उज्जवल d. श्याम

69. 'वह' किस प्रकार का शब्द है?
a. संज्ञा b. सर्वनाम
c. विशेषण d. इनमें से कोई नहीं

70. 'सुस्त' का पर्यायवाची शब्द इनमें से कौन नहीं है?
a. आलसी b. शिथिल
c. निद्रालु d. परिश्रमी

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. c, 2. b, 3. a, 4. d, 5. b, 6. c, 7. c
8. b, 9. a, 10. d, 11. d, 12. a, 13. b, 14. c,
15. d, 16. b, 17. c, 18. d, 19. a, 20. c, 21. c,
22. c, 23. b, 24. d, 25. a, 26. d, 27. c, 28. a,
29. c, 30. b, 31. d, 32. a, 33. c, 34. b, 35. c,
36. d, 37. d, 38. c, 39. b, 40. c, 41. d, 42. c,
43. c, 44. c, 45. c, 46. c, 47. c, 48. d, 49. a,
50. b, 51. c, 52. d, 53. c, 54. d, 55. a, 56. c,
57. b, 58. c, 59. c, 60. a, 61. c, 62. a, 63. c,
64. c, 65. c, 66. a, 67. c, 68. d, 69. b, 70. d

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. तिब्बत में डाँडे के देवता का स्थान कहाँ था? उसे कैसे सजाया गया था?

उत्तर- तिब्बत में डाँडे के देवता का स्थान ऊँची चोटी पर था जिसे पत्थरों के ढेर, जानवरों की सींगों और रंग- बिरंगे कपड़े की झंडियों से सजाया गया था।

2. कंजुर क्या है? इनकी विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- कंजुर भगवान बुद्ध के वचनों की हस्तलिखित अनुवादित

पोथियाँ हैं। ये पोथियाँ बड़े मोटे कागज पर अच्छे अक्षरों में लिखी हुई हैं, एक - एक पोथी लगभग पंद्रह- पंद्रह सेर की है।

3. डाँडे नामक स्थान के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन करें।

उत्तर- डाँड़ा नामक स्थान समुद्रतल से 17-18 हजार फीट की ऊँचाई पर था। वहाँ लेखक के दक्षिण तरफ पूर्व से पश्चिम की ओर हिमालय के हजारों श्वेत शिखर दिखाई देते थे। भीटे की ओर दिखने वाले पहाड़ बिल्कुल नंगे थे। वहाँ न बर्फ की सफेदी थी न हरियाली। उत्तर दिशा की तरफ बहुत कम बर्फ वाली चोटियाँ दिखाई पड़ती थीं।

4. तिब्बत में प्रचलित जागीरदारी व्यवस्था का वर्णन करें।

उत्तर- तिब्बत की जमीन बहुत अधिक छोटे-बड़े जागीरदारों में बँटी है। इन जागीरों का बहुत ज्यादा हिस्सा मठों (विहारों) के हाथ में है। अपनी - अपनी जागीर में हरेक जागीरदार कुछ खेती खुद भी कराता है, जिसके लिए मजदूर बेगार में मिल जाते हैं। खेती का प्रबंध देखने के लिए वहाँ कोई भिक्षु भेजा जाता है, जो जागीर के आदमियों के लिए किसी राजा से कम नहीं होता।

5. नेपाल - तिब्बत मार्ग की विशेषताओं का वर्णन करें।

उत्तर- नेपाल तिब्बत मार्ग व्यापारिक ही नहीं सैनिक रास्ता भी था। नेपाल और हिन्दुस्तान की चीजें इस मार्ग से ही तिब्बत जाया करती थीं। यह व्यापारिक ही नहीं सैनिक रास्ता भी था, इसलिए जगह-जगह फ़ौजी चौकियाँ और किले बने हुए हैं, जिनमें चीनी सेना रहा करती थी। आजकल बहुत से फौजी मकान गिर चुके हैं और किले के कई भागों में किसानों ने अपना बसेरा बना लिया है।

6. डाकुओं के लिए तिब्बत में सबसे सुरक्षित स्थान कौन-सा था जहाँ उन्हें पकड़े जाने का डर नहीं था?

उत्तर- तिब्बत में डाँडे डाकुओं के लिए सबसे सुरक्षित जगह है क्योंकि वहाँ सोलह-सत्रह हजार फीट की ऊँचाई-होने के कारण उनके दोनों तरफ मीलों तक कोई गाँव नहीं होते। नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण दूर तक आदमी दिखाई नहीं देता। उस समय वहाँ की सरकार खुफिया विभाग और पुलिस पर उतना खर्च नहीं करती थी।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. सुमति की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख करें ।

उत्तर- सुमति की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:-

- सुमति मिलनसार व हँसमुख था ।
- सुमति अतिथि - सत्कार में कुशल था।
- वह समय का पाबंद था ।
- उसकी बौद्ध धर्म में गहरी आस्था थी।
- उन्हें तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का पूरा-पूरा ज्ञान था।
- वे जितनी जल्दी गुस्सा होते थे उतनी ही जल्दी शांत भी हो जाते थे।
- सुमति लेखक के परम मित्र थे।

2. यात्रा - वृत्तांत के आधार पर तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का शब्द चित्र प्रस्तुत करें।

उत्तर- तिब्बत भारत और नेपाल से लगता हुआ देश है। यह स्थान समुद्रतल से बहुत ऊँचा है। यहाँ सत्रह - अठारह हजार फीट ऊँचे डाँडे हैं जो खतरनाक जगहें हैं। यह स्थल ऊँचाई पर होने के कारण बहुत दूर तक कोई गाँव-गिराँव नहीं होते। नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण बहुत दूर तक आदमी को देखा नहीं जा सकता। यहाँ एक ओर बर्फ से ढके श्वेत शिखर हैं तो दूसरी ओर भीटे हैं, जिनमें न तो बर्फ होती है, न हरियाली । यहाँ विशाल मैदान है, जो चारों ओर पहाड़ों से घिरे हैं। यहाँ की जलवायु विचित्र है। सूर्य की ओर मुँह करके चलने में माथा जलता है जबकि कंधा और पीठ बरफ की तरह ठंडे हो जाते हैं।

3. "हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल करना चाहिए था।" उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त करें।

उत्तर- आज के समाज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अब लोगों का उनके पहनावे के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। लोग चरित्र या विद्वता के आधार पर नहीं बल्कि वेशभूषा के आधार पर लोगों को अपनाते या उनसे मित्रता करते हैं। लेखक भिखमंगे के वेश में यात्रा कर रहा था। इसलिए उसे यह अपेक्षा नहीं थी कि शेकर बिहार के भिक्षु उससे सम्मानपूर्वक मिलेंगे।

मेरे विचार से वेशभूषा देखकर व्यवहार करना बिल्कुल अनुचित है, क्योंकि यह जरूरी नहीं कि अच्छी वेशभूषा वाला व्यक्ति सदा ही चरित्रवान विद्वान, दयालु, परोपकारी या दूसरों की मदद करने वाला हो। साधारण वेशभूषा वाले व्यक्ति में भी ये सब गुण हो सकते हैं। परंतु यह बात भी सत्य है कि वेशभूषा से मनुष्य की पहचान होती है। हम पर पहला प्रभाव वेशभूषा के कारण ही पड़ता है।